विश्व बन्धुत्व के लिए जरूरी है शुभकामनायें-दादी जानकी

दादी को अर्पित किया गया दो सौ करोड़ मिनट शुभकामनाओं का चेक, पुस्तक का विमोचन

आबू रोड, 27 अगस्त, निसं। समाज से अपराध को मिटाने, दुख दर्द में राहत दिलाने, प्रकृति और पुरूष की रक्षा करने के लिए जरूरी है कि हम शुभकामनाओं का संचार करें। पूरे संसार में यदि विश्व बन्धुत्व स्थापित करना है तो उसके लिए एक दूसरे के प्रति सकारात्मक सोचें, सौहाद्रपूर्ण व्यवहार रखें। उक्त उदगार ब्रह्माकुमारीज संस्था की मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी दादी जानकी ने व्यक्त किये। वे दादी प्रकाशमणि के तृतीय पुण्य तिथि पर बुद्धवार को रात्रि श्रद्धांजलि सभा को सम्बोधित कर रही थी। इस अवसर पर आबू रोड के गणमान्य नागरिकों सहित पूरे भारत से आये 15 हजार से भी ज्यादा लोग उपस्थित थे।

आगे उन्होंने कहा कि जब हम दूसरे के प्रति नकारात्मक सोचते हैं तब हमारी भावनायें उसके पास पहुंचती है और हमारा सम्बन्ध खराब हो जाता है। आज प्रकृति का बदलता रूप, सम्बन्धों मे बिखराव, टूटती पारिवारिक संरचनायें इसी का नतीजा है। यदि समाज को एक सूत्र में बांधना है तथा विश्व बन्धुत्व स्थापित करना है तो उसके लिए जरूरी है कि हम सभी के प्रति शुभ सोचें। शुभकानायें केवल स्वयं को ही नहीं बल्कि दूसरों को भी दवा से ज्यादा राहत प्रदान करती हैं। पूरे पर्यावरण में सकारात्मक बदलाव के लिए शुभकामना प्रोजेक्ट का शुभारम्भ किया गया था।

संस्था के महासचिव राजयोगी ब्र0 कु0 निर्वैर ने कहा कि विश्व बन्धुत्व के लिए सभी धर्मो, जातियों और सम्प्रदायों के लोगों को मिलकर इस पर विचार करना चाहिए तथा एक मंच से खड़े होकर वैश्विक स्तर पर उदघोष करा चाहिए। सामाजिक कुरीतियां हमारी ही देन है और इसे समाप्त करने के लिए हमें ही आगे आना होगा। दादीजी के पुण्य तिथि पर विश्व बन्धुत्व दिवस मना रहे हैं जिसका माहौल पूरे विश्व में गूंजेगा।

मुम्बई से आये प्रसिद्ध पार्श्व गायक ओम व्यास ने दादी के संग का अनुभव साझा करते हुए कहा कि उनका जीवन विश्व बन्धुत्व का जीता जागता मिसाल था। उनके सम्पर्क में आने वाले सभी लोग विश्व बन्धुत्व के लिए प्रेरित होते थे। इस अवसर पर उन्होंने दादी के संस्मरण के गीत भी गाये। प्यूरीटी पाक्षिक अंग्रेजी पत्रिका के प्रधान सम्पादक बृजमोहन ने कहा कि विश्व के सारे सम्बन्ध हमारी सोच और कर्म पर आधारित होते हैं। इसलिए हमें बेहतर विश्व के लिए अपनी सोच को सकारात्मक बनाये रखें।

इस अवसर पर शुभकामना प्रोजेक्ट के कोआर्डिनेटर ब्र0 कु0 ललित ने शुभकामना प्रोजेक्ट की सफलता पर प्रसन्नता जाहिर करते हुए कहा कि इस प्रोजेक्ट में शामिल होने के लिए जिस तरह लोगों ने उत्साह दिलाया उससे यह साबित हो गया कि आज लोग अपराधों को समाप्त कर एक सौहाद्रपूर्ण समाज चाहते हैं। उन्होंने राष्ट्रीय स्तर पर चले इस अभियान में शामिल हुए लोगों द्वारा जमा की गयी दौ सौ करोड़ मिनट शुभकामनाओं का चेक पूर्व प्रशासिका दादी प्रकाशमणि के नाम दादी जानकी को भेंट किया।

इस अवसर पर संस्था के सूचना एवं जनसम्पर्क निदेशक ब्र0 कु0 करूणा ने दादी प्रकाशमणि द्वारा की गयी वैश्विक सेवाओं के बारे में विस्तृत जानकारी दी। ग्राम विकास प्रभाग की अध्यक्षा ब्र0 कु0 मोहिनी, कार्यकारी अधिकारी ब्र0 कु0 मृत्युंजय, कार्यक्रम निदेशिका ब्र0 कु0 मुन्नी ने भी दादी प्रकाशमणि के संग के संस्मरण सुनाते हुए कहा कि उनका जीवन सुन्दर और मूल्यनिष्ठता का प्रबल मिसाल था। कार्यक्रम का संचालन इलाहाबाद से आयी ब्र0 कु0 मनोरमा ने किया।

फोटो, 26एबीआरओपी, 1, 2, 3, 4 दौ सौ करोड़ शुभकामना मिनट का चेक भेंट करते अतिथि साथ में पार्श्व गायक ओम व्यास, दादी के संस्मरण की पुस्तक का विमोचन करती दादी जानकी। सभा में उपस्थित जन सैलाब।